भूगोल (वैकल्पिक विषय)

मॉड्यूल - VIII

(द्वितीय प्रश्न-पत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम)

DTVF/18–OPS–G8

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): सुनिल कुमार धनवन्ता

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 08 / 04 सितम्बर, 2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	1	9	0	8	7

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

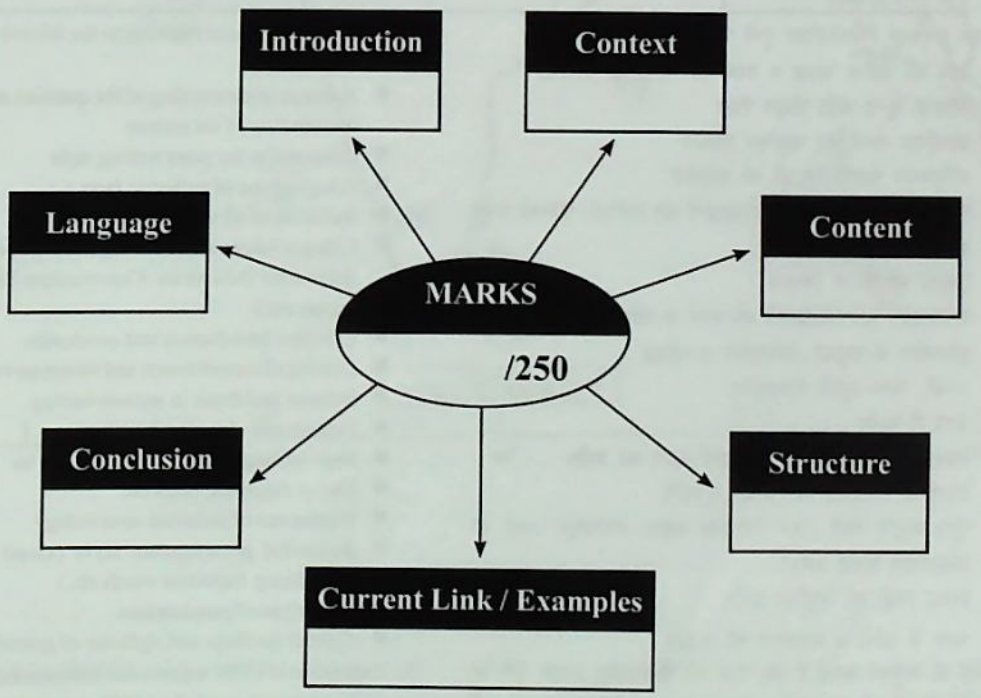

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

A3

दृष्टि The Vision

सुनिल धनवती

भारत

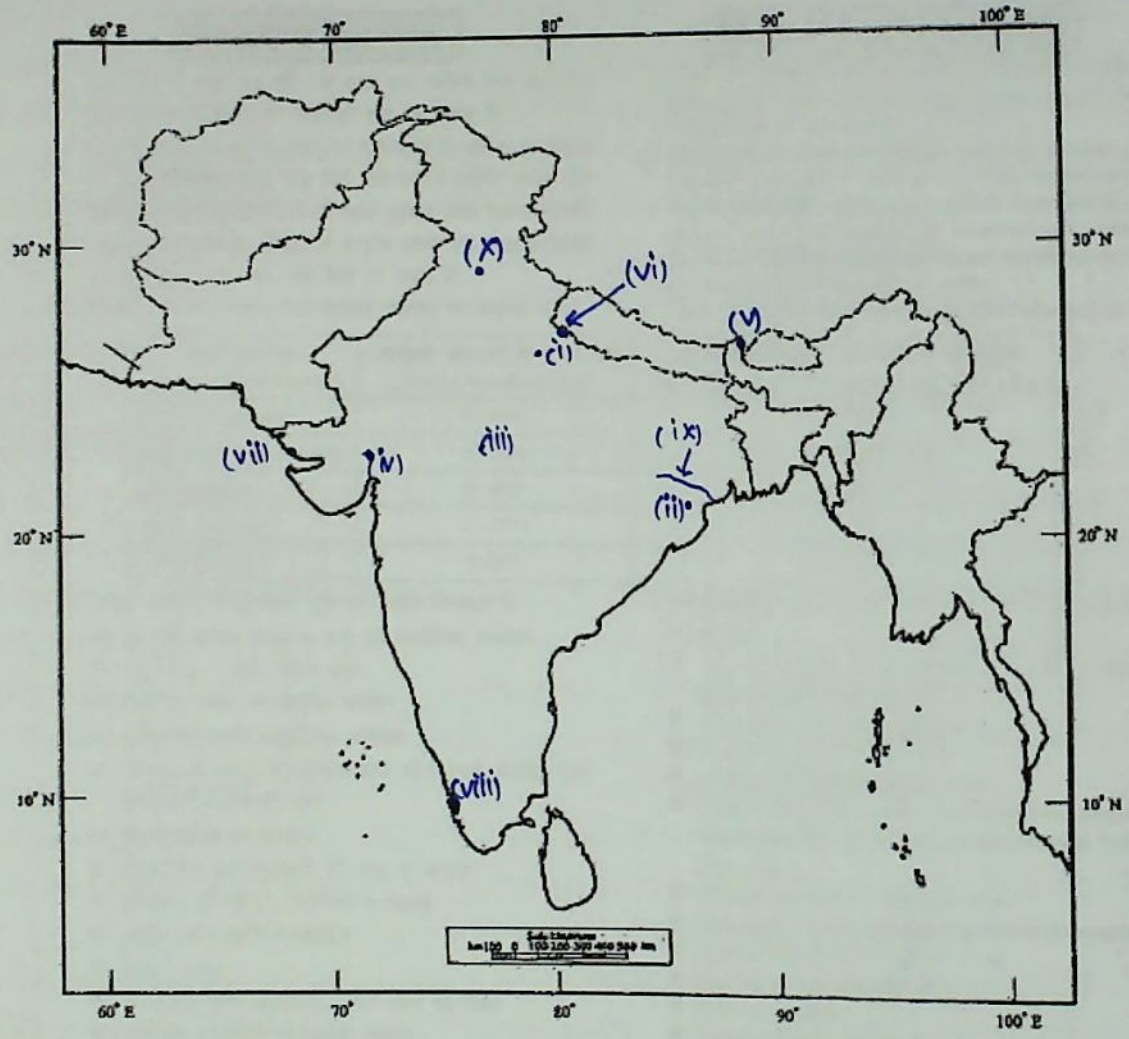

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - A / SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. आपको दिये गए भारत के रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिये। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिये:

   On the outline map of India provided to you, mark the location of the following: Write in your QCA Booklet the significance of these locations, whether physical / commercial / economic / ecological / environmental / cultural, in not more than 30 words for each entry: $2 \times 10 = 20$

   (i) मगहर

   Maghar

   → यह स्थान उत्तरप्रदेश में स्थित है
   → यह सन्त कबीर की निर्वाण स्थली है
   → हाल ही में प्रधानमंत्री ने कबीर जी के निर्वाण दिवस पर यहाँ की यात्रा की

   (ii) राउरकेला शहर

   Raurkela city

   → यह उड़ीसा राज्य में स्थित है
   → यहाँ हिन्दुस्थान स्टील लिमिटेड का लौह इस्पात संयंत्र है जो पश्चिमी जर्मनी के सहयोग से स्थापित किया गया है
   → यहाँ लौह इस्पात उद्योग के साथ-साथ अनेक सहायक उद्योग भी स्थापित किए गए हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(iii) रीवा

Rewa

→ यह मध्यप्रदेश राज्य में स्थित है

→ यहाँ से चम्बल नदी का उद्गम होता है जो यमुना नदी की एक सहायक नदी है

→ यह क्षेत्र मालवा पठार का भाग है तथा अवनालिका अपरदन से बीहड़ में परिवर्तित हो गया है

(iv) वड़ोदरा

Vadodara

→ यह गुजरात राज्य में स्थित है

→ यह स्थल सूती वस्त्र उद्योग का एक बड़ा केन्द्र है

→ 2014 में यह प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र था

→ यहाँ तेल रिफायनरी भी स्थापित है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) नाथुला दर्रा

Nathula Pass

→ यह दर्रा सिक्किम में स्थित है

→ यह सिक्किम को चुंबी वैली के माध्यम से तिब्बत से जोड़ता है

→ यहाँ से भारत-चीन व्यापार मार्ग तथा मानसरोवर तीर्थयात्रियों का मार्ग गुजरता है

→ यह सामरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थल है

(vi) दुधवा नेशनल पार्क

Dudhwa National Park

→ यह उत्तरप्रदेश में नेपाल की सीमा के पास स्थित नेशनल पार्क है

→ यह तराई क्षेत्र में स्थित है

→ यहाँ सांभर, नीलगाय, बाघ, हिरण आदि जन्तु व अनेक वनस्पतियाँ पाई जाती है

→ बाघों की गणना हेतु नेपाल के साथ प्रयास

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vii) कांडला पत्तन

Kandla Port

→ यह कच्छ की खाड़ी में स्थित भारत का एक मुख्य (major) पत्तन है

→ यह एक वृहद क्षेत्र को अपनी सेवाएं देता है जिसमें गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा इत्यादि शामिल है

→ यहां से खनिज तेल, खाद्य-खाद्यान्नों, नमक इत्यादि का आयात-निर्यात होता है

(viii) वेंबनाद झील

Vembanad Lake

→ यह केरल में स्थित एक लैगून झील है जिसे 'कयल' भी कहते हैं

→ यह मत्स्यपालन व जल परिवहन हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है

→ यह प्रसिद्ध नौका दौड़ आयोजित की जाती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ix) ब्राह्मणी नदी

Brahmani River

→ यह नदी छोटा नागपुर क्षेत्र से निकलकर सारजडा, उड़ीसा में बहती है

→ यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल निसर्जित करती है

→ यह राष्ट्रीय जलमार्ग 5 का भाग है

(x) बठिंडा

Bathinda

→ यह स्थल पंजाब राज्य में स्थित है

→ यहाँ तेल रिफायनरी तथा द्वितीय पीढ़ी की बायोफ्यूल रिफायनरी भी स्थापित की गई है

→ यह पंजाब का एक औद्योगिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) प्रमाणों के आधार पर हिमालय के ऊपर उठने की प्रक्रिया की पुष्टि कीजिये। 10

On the basis of evidences, confirm the process of upliftment of the Himalayas. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हिमालय को विद्वानों द्वारा एक ~~की~~ नवीन मोड़दार पर्वत माना जाता है जिसकी उत्पत्ति भारतीय प्लेट के यूरेशियन प्लेट से टकराने से हुई।

अनेक विद्वान मानते हैं कि हिमालय अभी-भी उठ रहा है जिसके प्रमाण ~~निम्न~~ निम्नलिखित हैं—

(i) हिमालय की ऊँचाई का GPS के माध्यम से मापन करने पर प्रति वर्ष इसमें वृद्धि पायी जाती है। माना जाता है कि प्रतिवर्ष 1 cm. की दर से हिमालय ऊपर उठ रहा है

(ii) हिमालय में नदियों का युवावस्था में पाया जाना तथा गहरे महाखड्डों (Gorges)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का पाया जाना भी इस बात की पुष्टि करते हैं

(iii) हिमालय क्षेत्र में अभी भी भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के नीचे क्षेपण हो रहा है जिसके कारण यह क्षेत्र विवर्तनिकी दृष्टि से अस्थिर है। यहाँ समय-समय पर भूकंप एवं भूस्खलन की घटनाएं देखने को मिलती रहती है जैसे नेपाल भूकंप (2015)

इस प्रकार हिमालय पर्वत निरन्तर ऊपर उठता जा रहा है तथा संसार का नवीनतम व सबसे ऊंचा पर्वत माना जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) वर्तमान परिदृश्य में भारत में जल संसाधनों की उपलब्धता और उनके प्रबंधन संबंधी चिंताओं पर प्रकाश डालें। 10

In the current scenario, highlight the availability of water resources and their management concerns in India. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत का क्षेत्रफल विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.4% है तथा यहाँ विश्व के कुल जल संसाधनों का 4% विद्यमान है जो यहाँ जल की पर्याप्त उपलब्धता को दर्शाता है।

परन्तु जनसंख्या की तीव्र वृद्धि, जल संसाधनों का अविवेकपूर्ण दोहन, प्रदूषण, जल प्रबन्धन के अभाव के कारण भारत में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष जल उपलब्धता लगभग 1150 घन मी. रह गयी है जो नीति आयोग के अनुसार जल संकट की स्थिति है

प्रबंधन संबन्धी चिंताएं

(i) जलाधिक्य वाले क्षेत्रों से जल न्यून

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वाले क्षेत्रों तक जल पहुंचाने की ~~अभाव~~ प्रक्रिया का अभाव

(iii) जल की उपलब्धता के अनुसार फसल प्रतिरूप का चयन न करना

(iv) जल स्रोतों का अनेक कारकों से परिणामस्वरूप निरंतर प्रदूषण

(v) ~~भौम जल के स्तर~~ जल प्रबंधन हेतु नवीन तकनीकी के इस्तेमाल का सीमित होना

हाल ही में नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट के माध्यम से भारत की लगभग 60% जनसंख्या को जलसंकट से ग्रसित माना है अतः एक प्रभावी जल प्रबन्धन रणनीति की शीघ्र आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) भारत में कृषि विकास के लिये सिंचाई की आवश्यकता एवं महत्त्व को स्पष्ट कीजिये। 10

Explain the necessity and importance of irrigation for agricultural development in India. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत एक कृषि प्रधान देश है क्या यहाँ कृषि क्षेत्र में सिंचाई का अत्यधिक महत्व है विशेषकर हरित क्रान्ति के बाद।

सिंचाई की आवश्यकता.

(i) भारत की अधिकांश कृषि भूमि का मानसून पर आधारित होना

(ii) मानसून की अनिश्चितता व परिवर्तनशीलता

(iii) मानसून अन्तराल

(iv) जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा में कमी

(v) भारत में कृषि का खाद्य सुरक्षा हेतु अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होना

(vi) भारत का लगभग 60% भाग शुष्क व अर्द्धशुष्क है

(vii) चावल, गेहूं इत्यादि के लिए पर्याप्त पानी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

की आवश्यकता

सिंचाई का महत्व

(i) कृषि उत्पादन में वृद्धि से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होना

(ii) उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में कच्चे माल की आपूर्ति जैसे कपास, गन्ना इत्यादि

(iii) रोजगार की उपलब्धता

(iv) कृषि विकास के कारण निर्यात में वृद्धि व आयात में कमी → विदेशी मुद्रा प्राप्ति

भारत में कुएं व नलकूपों, नहरों तथा तालाबों से सिंचाई की जाती है जो यहां की भू-जलवायविक परिस्थितियों को देखते हुए कृषि विकास में निर्णायक भूमिका निभाते हैं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) जमशेदपुर में औद्योगिक संकुल के विकास के कारकों की विवेचना कीजिये। देश में औद्योगिक संकुलों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? 15

Explain the factors responsible for the development of industrial complex in Jamshedpur. What problems do the industrial complexes face in the country? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जब किसी स्थान पर एक प्रमुख उद्योग के साथ-साथ अनेक सहायक उद्योगों का विकास होता है तो उसे औद्योगिक संकुल की संज्ञा दी जाती है। जमशेदपुर में लौह इस्पात, मोटरवाहन उद्योग, मशीनरी उद्योग इत्यादि उद्योगों के विकास के कारण एक औद्योगिक संकुल का विकास हो गया है।

इस औद्योगिक संकुल के विकास के कारक-

→ इस क्षेत्र के आसपास दामोदर घाटी का कोयला व छोटानागपुर का लौह अयस्क तथा अन्य खनिज प्राप्त होने के कारण कच्चे माल की पुलभ आपूर्ति

→ आस-पास सघन जनसंख्या के कारण सस्ता व कुशल श्रम

→ *रेल मार्गों तथा सड़क-परिवहन के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कारक परिवहन की तुलना

→ कोलकाता, पारादीप जैसे बंदरगाहों के कारण निर्यात - आयात की सुविधा

→ सशक्त फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेज (टिल्के जैसे उद्योग के कारण

→ बाजार की पर्याप्त उपलब्धता (कोलकाता, बिहार, झारखण्ड इत्यादि)

इस प्रकार अनेक कारकों के सम्मिलित प्रभाव के कारण इस उद्योग समूह का विकास हुआ है। परन्तु देश के औद्योगिक समूहों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है—

(i) आधारभूत संरचना के आधुनिकतम स्वरूप के अभाव के कारण लॉजिस्टिक लागत में वृद्धि

(ii) सस्ते व कुशल श्रम की उपलब्धता का → कच्चे माल की कमी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अभाव

(iii) सशक्त फारवर्ड व बैकवार्ड लिंकेज की अनुपलब्धता

(iv) आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं नवाचारों का सीमित प्रभाव

(v) सरकारी नीतियों का अभाव

सुझाव·

→ आधारभूत संरचना का विकास

→ कौशल विकास पर बल

→ 'SEZ' के विकास पर नीति निर्माण

इस प्रकार सरकार व निजी क्षेत्र के सम्मिलित प्रयासों के माध्यम से औद्योगिक संकुलों का विकास कर आर्थिक विकास को गति दी जा सकती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में जोत का आकार छोटा होने का कारण प्रस्तुत करते हुए जोतों के विभाजन तथा विखंडन से उत्पन्न समस्याओं का विवरण दीजिये। 20

While presenting the reason for the small size of the land holding in India, discuss the problems caused by splitting and fragmentation of the land holding. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

स्वतंत्रता के पश्चात भारत में जोत का आकार (प्रत्येक किसान के पास उपलब्ध कृषि भूमि) निरन्तर घटता जा रहा है तथा भारत में लगभग 60-65% किसान सीमान्त किसानों के दायरे में आते हैं तथा ~~वर्तमान~~ 2010-11 के आंकड़ों के अनुसार भारत में जोतों का औसत आकार 1.15 हेक्टेयर रह गया है

जोतों के छोटे आकार का कारण-

→ वंशानुगत नियमों के अनुसार पिता की संपत्ति का पुत्रों में विभाजन

→ जनसंख्या वृद्धि की तीव्रता के कारण जोतों का अधिक विभाजन

→ औद्योगिक क्षेत्र व सेवा क्षेत्रों में रोजगार की कमी के कारण कृषि पर ज्यादा लोगों का निर्भर होना

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ सरकारी नीतियों - जैसे चकबन्दी की विफलता

इस प्रकार उपर्युक्त कारणों के फलस्वरूप भारत में सीमान्त जोतों (1 हेक्टेयर से कम आकार) की संख्या में निरन्तर वृद्धि दर्ज की जा रही है। 2010-11 के आँकड़ों के अनुसार भारत के कुल लैण्डहोल्डिंग जोतों की संख्या का लगभग 27% सीमान्त जोतें थी।

सीमान्त जोतों तथा अन्य छोटी जोतों के कारण निम्न समस्याएँ उत्पन्न होती हैं -

(i) कृषि के नवीनतम उपायों जैसे उर्वरकों का प्रयोग, उच्च उत्पादन क्षमता के बीजों का प्रयोग तथा अनेक कृषि यंत्रों के उपयोग में भारी समस्या का सामना करना पड़ता है क्योंकि जमीन के छोटे से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

टुकड़े हेतु इनका प्रयोग व्यवहार्य नहीं माना जाता है

(ii) कृषि का स्वरूप निर्वाह कृषि का हो जाता है क्योंकि किसान इतने से छोटे भूभाग पर खाद्यान्नों की कृषि को ज्यादा महत्व देता है

(iii) मेड़ों व खेतों की बाड़बन्दी हेतु ज्यादा भूमि प्रयोग में आने के कारण उपजाऊ कृषि भूमि की व्यर्थता

उपाय -

→ चकबन्दी को प्रोत्साहन

→ सहकारी कृषि को बढ़ावा देना

→ जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण

इसी के साथ औद्योगिक व सेवा क्षेत्रों में रोजगार सृजन में वृद्धि कर लोगों के विभाजन को कम करके कृषि विकास को प्रोत्साहन दिया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में लॉजिस्टिक्स लागत अधिक होने के क्या कारण हैं? वर्तमान परिदृश्य में भारत सरकार इसे कम करने के लिये कौन-से प्रयास कर रही है? 15

What are the reasons for high logistics cost in India ? In the current scenario, what steps have been taken by the Indian government to reduce it? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में औद्योगिक उत्पादों की लागत में एक बड़ी लागत लाजिस्टिक लागत की होती है। वस्तुतः लॉजिस्टिक लागत के अन्तर्गत परिवहन, भण्डारण, विपणन इत्यादि में हुए व्यय को शामिल किया जाता है।

लॉजिस्टिक लागत में वृद्धि के कारण.

→ आधुनिकतम आधारभूत संरचना जैसे रेल परिवहन, सड़क परिवहन, भण्डार गृहों तथा कोल्ड चेन, बन्दरगाहों का अभाव

→ लॉजिस्टिक लागत को कम करने हेतु प्रौद्योगिकी एवं नवाचारों का प्रयोग कम

→ सरकारी नीतियों का अप्रभावी क्रियान्वयन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ निजी एवं विदेशी निवेश का इस क्षेत्र की ओर कम आकर्षण जिससे इन सुविधाओं के विकास के लिए पूंजी की कमी

इसी कारण विश्व बैंक की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रैंकिंग में भारत को नुकसान उठाना पड़ता है तथा विश्व बैंक की लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स में भी भारत का प्रदर्शन निराशाजनक है.

भारत सरकार के प्रयास

(i) लॉजिस्टिक विकास क्षेत्र को आधारभूत संरचना का दर्जा दिया गया है ताकि इस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित किया जा सके

(ii) सड़क परिवहन के विकास के लिए भारत

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- माला परियोजना।

(iii) बन्दरगाहों के विकास के के लिए सागरमाला परियोजना।

(iv) डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण

(v) भण्डारगृहों व कोल्ड चेन का निर्माण

इसी के साथ नीति आयोग द्वारा राज्यों के मध्य लॉजिस्टिक क्षेत्र के विकास में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने हेतु 'स्टेट लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स' का विकास किया गया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 की कमियों को उजागर करते हुए जनसंख्या स्थिरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आवश्यक रणनीतियों की चर्चा कीजिये। 15

Highlighting the shortcomings of National Population Policy, 2000, discuss the strategies needed to achieve the goal of population stability. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में जनसंख्या वृद्धि पर लगाम लगाकर आर्थिक व सामाजिक विकास को सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 की घोषणा की गई।

नीति की विशेषताएँ

→ सकल प्रजनन दर को 2.1 (प्रतिस्थापन दर) पर लाना

→ 2045 तक जनसंख्या में स्थिरता प्राप्त करना

→ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य व कल्याण को बढ़ावा देना

→ परिवार नियोजन के उपायों जैसे गर्भनिरोधकों व नलबन्दी उपायों की पहुँच में वृद्धि करना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन के लाभों के बारे में लोगों में जागरूकता का प्रसार करना

* जनसंख्या नीति, 2000 की कमियाँ

→ परिवार नियोजन का भार पुरुषों एवं स्त्रियों पर समान रूप से डालने के बजाय स्त्रियों पर ज्यादा डाला गया

→ जनसंख्या नियंत्रणों के लक्ष्यों को प्राप्त करने में राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव के कारण लक्ष्यों का संशोधन (जैसे हाल ही में जनसंख्या स्थिरता के लक्ष्य को 2045 से 2070 कर देना)

→ परिवार नियोजन के उपायों की ग्रामीण क्षेत्रों व निर्धन परिवारों तक सीमित

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पहुँच का होना

(iv) परिवार नियोजन की सामाजिक स्वीकृति का अपेक्षित स्तर पर न होना

आवश्यक रणनीतियाँ

→ परिवार नियोजन का भार पुरुषों व महिलाओं पर समान रूप से डालना

→ कार्यक्रमों व नीतियों के समन्वय हेतु पँचायतीराज संस्थाओं का प्रयोग

→ बजटीय सहायता में वृद्धि व नियोजन उपायों की सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना

इस प्रकार अनेक रणनीतियों के माध्यम से जनसंख्या पर नियंत्रण करना तथा उपलब्ध जनसंख्या को उत्पादन बनाकर आर्थिक विकास की गति को तीव्र किया जा सकता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'भारत में सूखे की भयावहता के लिये प्राकृतिक कारकों की अपेक्षा मानवीय कारक अधिक ज़िम्मेदार हैं।' आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? सूखे से बचने के दीर्घकालिक उपाय भी सुझाएँ। 20

'Humans are more responsible than natural factors for the magnitude of drought in India.' How for do you agree with this statement? Suggest long term remedies to movemet drought. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लंबे समय तक औसत वर्षा से कम वर्षा को सूखे की संज्ञा दी जाती है। यह अनेक प्रकार का होता है जैसे- मौसम विज्ञानी सूखा, जल विज्ञानी सूखा, कृषि सूखा, पारिस्थितिकीय सूखा।

सूखे के प्राकृतिक कारण.

- → मानसून का विफल होना तथा अल-नीनों का प्रभाव
- → मानसूनी वर्षा का असमान वितरण
- → भौगोलिक परिस्थितियाँ - जैसे. उच्चावच, भूगर्भीय संरचना इत्यादि

परन्तु इन कारकों के साथ-साथ अनेक निम्नलिखित मानवीय कारक हैं जो

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सूखे के पीछे ज्यादा जिम्मेदार हैं-

(क) मनुष्यों द्वारा जल के अविवेकपूर्ण दोहन के कारण वर्षा की कमी के समय जल संकट

(ख) भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार फसलों का चयन ना करना जैसे पंजाब एवं हरियाणा परम्परागत रूप से गेहूं की खेती हेतु ज्यादा अनुकूल है परन्तु यहाँ चावल की खेती की जाती है

(ग) जल की कमी के समय सरकारी प्रयासों की अप्रभाविता

(घ) मानवीय गतिविधियों के फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के कारण अल-नीनो की बारम्बारता में वृद्धि

(ङ) उपलब्ध जल के वितरण की समान

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बनाने हेतु, जैसे जलाधिक्य वाले क्षेत्रों से जल को जल न्यूनता वाले क्षेत्रों में पहुँचाने प्रयासों की कमी

इस प्रकार सूखा प्राकृतिक कारकों से तो होता है परन्तु अनेक मानवीय कारकों के कारण इसकी बारंबारता में तथा तीव्रता में वृद्धि हो जाती है-

सूखे से बचने हेतु दीर्घकालिक उपाय-

→ जल प्रबन्धन को महत्व देना अर्थात जलाधिक्य व जल ~~न्यूनता~~ न्यूनता वाले क्षेत्रों को जोड़ना जैसे नदी जोड़ो परियोजना

→ क्षेत्र की परिस्थितियों के अनुसार फसल प्रतिरूप का चयन करना (जल संभर विकास)

→ सूखा प्रभावित क्षेत्रों के मानचित्रण हेतु 'GIS' रिमोट सेंसिंग जैसी तकनीकों का प्रयोग

इस प्रकार अनेक नवीन एवं नवाचारी प्रयोगों के माध्यम से सूखे के प्रभावों को ~~सीमीत~~ सीमित किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 'वनों की उपयोगिता ने उनके ह्रास को जन्म दिया है।' भारत में वनों की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए कथन को स्पष्ट कीजिये तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वनों के विकास एवं संरक्षण हेतु किये गए प्रयासों की चर्चा कीजिये। 15

'The usefulness of forests has given birth to their losses. 'examine the statement conssidering the current situation of forests in India and discuss the efforts made for the development and conservation of forests after independence. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वन मनुष्य को प्रकृति का अनमोल उपहार होते हैं। भारत वनस्थिति रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र के 24.8% भूभाग पर वन क्षेत्र व्याप्त हैं जो राष्ट्रीय वन नीति के 33% के लक्ष्य से कम है।

वनों की उपयोगिता.

→ मनुष्य को कच्चा माल व अनेक वनउत्पादों जैसे फल-फूल, औषधियों इत्यादि की आपूर्ति

→ वायु को शुद्ध बनाने में सहायक

→ मृदा अपरदन को रोकने में सहायक

→ वर्षा की मात्रा में वृद्धि करने में सहायक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपयोगिता के कारण ह्रास.

→ अनेक वन आधारित उद्योगों जैसे फर्नीचर उद्योग, लुग्दी व कागज उद्योग, माचिस उद्योग इत्यादि हेतु कच्चे माल की प्राप्ति हेतु वनों की कटना

→ ईंधन हेतु वनों की कटना

→ कृषि भूमि प्राप्त करने हेतु वनों को काटना

अन्य कारक.

→ शहरीकरण के लिए भूमि आवश्यकता

→ औद्योगीकरण के कारण वनोन्मूलन

इन्ही कारणों के फलस्वरूप स्वतंत्रता के पश्चात वनावरण में निरंतर ह्रास हो रहा है जिसे देखते हुए भारत सरकार ने समय समय पर अनेक प्रयास किए हैं-

(i) राष्ट्रीय वन नीति, 1952 तथा 1988 का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निर्माण

(ii) प्रतिपूरक वनारोपण अधिनियम का क्रियान्वयन

(iii) कृषि वानिकी एवं सामाजिक वानिकी को प्रोत्साहन

(iv) पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम, 1986 का निर्माण

(v) 33% वनावरण के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सरकारी व नागरिकों को प्रोत्साहन देना

(vi) जलसंभर विकास कार्यक्रम

इन्हीं कार्यक्रमों के कारण 2015 की तुलना में 2017 में वनावरण में लगभग 8000 हेक्टेयर की वृद्धि देखी गई है परन्तु अभी भी यह 33% के लक्ष्य के काफी पीछे है जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - B / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) भारत में जलवायु संबंधी विविधताओं का प्रमुख उदाहरणों की सहायता से वर्णन कीजिये।

Describe the climatic variations in India with the help of prominent examples.

भारत भौगोलिक, जलवायविक रूप से व्यापक विविधता वाला देश है जहाँ विश्व की लगभग सभी जलवायु पायी जाती हैं।

→ गर्मी के मौसम में राजस्थान के पश्चिमी भाग का तापमान 45°c होता है जबकि उसी समय केरल का तटीय भागों का तापमान 25-27°c होता है।

→ मनासिनराम (मेघालय) जैसे स्थानों पर विश्व की सर्वाधिक वर्षा (1150c.m. लगभग) जबकि राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय भाग में 25 c.m. से भी कम वर्षा होती है

→ सर्दी के दिनों में लद्दाख व लेह में तापमान ऋणात्मक होता है जबकि उसी समय काल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में भारत के समुद्रीतटीय भागों का तापमान 19-20°C होता है

→ भारत में पश्चिमी घाट व उ.पू. में दक्षिण पश्चिम मानसून से काफी वर्षा होती है जबकि यह मानसून अरावली के समानान्तर गुजर जाता है

→ देश के शेष भागों में दक्षिण पश्चिमी मानसून से ज्यादा मात्रा में वर्षा होती है वहीं कोरोमण्डल तट अपनी अधिकांश वर्षा उत्तर-पूर्वी मानसून से प्राप्त करता है।

इस प्रकार अनेक विविधताओं के बावजूद भी अनेकता में एकता के लक्षण विद्यमान है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज के विकास में डिजिटलीकरण के योगदान का मूल्यांकन कीजिये।

Evaluate the contribution of digitization in the development of Indian economy and society.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्तमान युग को डिजिटल युग की संज्ञा दी जाती है जिसमें कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, इत्यादि का महत्व बढ़ते जा रहा है।

डिजीटलीकरण की अर्थव्यवस्था के विकास में भूमिका

→ उत्पादन में सुगमता आना क्योंकि कम्प्यूटर के प्रयोग से चीजे शीघ्र उत्पादित की जा सकती है

→ रोबोटिक्स के प्रयोग से औद्योगिक उत्पादन में सटीकता व तीव्रता

→ संचार के साधनों के जुड़ाव के माध्यम से सूचनाओं का तीव्र आदान-प्रदान

→ ई-कॉमर्स के माध्यम से बाजारों की उपलब्धता में वृद्धि तथा वस्तुओं का विपणन आसान

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

* समाज के विकास में भूमिका.

→ टेलीमेडिसीन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक पहुंचना

→ वित्तीय समावेशन में वृद्धि

→ सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मोबाइल के माध्यम से खाते में डालना

→ भ्रष्टाचार व काले धन पर रोक

→ टेली- एजुकेशन

इन्हीं को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम का आरंभ किया गया ताकि देश को इसके लाभों की प्राप्ति के माध्यम से विकसित किया जा सके

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में बढ़ते नदी जल विवाद किस प्रकार नदी जोड़ो परियोजना के मार्ग में चुनौती प्रस्तुत कर रहे हैं?

How are increasing river water dispute in India presenting challenges in the path of river linking project?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हाल ही में कावेरी नदी जल विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। इसी के साथ महानदी विवाद के लिए न्यायाधिकरण का गठन किया गया

नदी विवाद : नदी जोड़ों परियोजना के मार्ग में चुनौती

→ नदी जोड़ों परियोजना में जल को जलाधिक्य वाले क्षेत्र से जल न्यूनता वाले क्षेत्रों में स्थानान्तरित किया जाता है परन्तु मानसून की विफलता के समय राज्य अपना जल साझा नहीं करना चाहते हैं

→ नदी जल विवाद के निपटारे में वर्षों लग जाते है जिसके कारण नदी जोड़ो

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

परियोजना को समय पर पूरा न कर पाने के कारण परियोजना की लागत में वृद्धि हो जाती है

→ नदी जल विवाद में स्थानीय समुदायों के दावा व राजनेताओं की भागीदारी व हित शामिल होते हैं जिसके कारण नदी जोड़ो परियोजना की गति धीमी हो जाती है

← इस प्रकार नदी जल विवाद के कारण नदी जोड़ो परियोजना में चुनौती के कारण देश के कृषि विकास को समस्या का सामना करना पड़ता है जिसका शीघ्र निपटान आवश्यक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) क्या कारण हैं कि कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल नहीं हो पाया है?

What are the reasons that the Command Area Development programme has not been successful in achieving its objectives?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नदी से खेत तक जल पहुंचाने हेतु निर्मित सभी संरचनाओं जैसे नहर, नाले इत्यादि को कमान क्षेत्र की संज्ञा दी जाती है। भारत में 1974-75 में कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

उद्देश्य

→ कृषि को पर्याप्त मात्रा में जल पहुंचाना
→ जल बर्बादी को रोकना
→ लवणता व मृदा अपरदन को रोकना

कार्यक्रम की सफलताएं

→ इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के कारण पश्चिमी राजस्थान का कृषि विकास संभव हुआ है तथा यहां गेहूं, बाजरा इत्यादि की खेती की जा रही है
→ सूखे के समय भी खेतों तक जल

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पहुंचाने में सहायता मिली है।

→ हरित क्रान्ति की सफलता में इस कार्यक्रम का काफी योगदान है

→ नहरों के माध्यम से भारत के सूखाग्रस्त क्षेत्रों तक जल पहुंचाना आसान हुआ है

असफलताएँ

→ कमान क्षेत्रों में जलाक्रांतता, लवणता, मारीयता की समस्या के कारण मृदा निम्नीकरण

→ ~~पानी~~ नहरों के पानी का नहरों के पास वाले किसानों द्वारा ज्यादा प्रयोग

→ नहरों से पानी का वाष्पीकरण ज्यादा → जल हानि

इस प्रकार स्पष्ट है कि इस कार्यक्रम की अनेक सफलताएँ एवं असफलताएँ है जिनकी उचित ~~मूल्यांकन~~ समीक्षा की आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) भारत में अंतर्राज्यीय जलमार्ग का विकास हरित अर्थव्यवस्था और समग्र विकास के लिये उपयोगी है। व्याख्या कीजिये।

Development of interstate waterways is useful for green economy and overall development in India. elucidate.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जल मार्ग परिवहन, परिवहन का सस्ता, कुशल एवं पर्यावरण मित्र साधन है। भारत में अनेक सदा-नीरा नदियों की उपस्थिति के कारण अन्तर्राज्यीय जलमार्गों के विकास पर विचार करने की तत्काल आवश्यकता है।

हरित अर्थव्यवस्था में योगदान.

→ जलमार्ग परिवहन में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन अत्यन्त कम होता है जिससे कार्बन फुट प्रिन्ट को कम करने में सहायता मिल सकती है जो ग्रीन अर्थव्यवस्था की ओर एक कदम होगा

→ जलमार्गों के विकास हेतु वनों का कटाव तथा प्राकृतिक संसाधनों का ज्यादा दोहन नहीं होता है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समग्र विकास में योगदान -

→ परिवहन लागत में कमी के कारण उत्पादों की कीमतों का कम होना जिससे मुद्रा-स्फीति में कमी

→ सड़कों व रेलों पर दबाव कम होने की वजह से इनके संचालन में तीव्रता

→ इन मार्गों के विकास से हजारों लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी

~~काम~~ कार्यक्रम की चुनौतियां

→ वित्त का अभाव

→ पारिस्थितिकीय चुनौतियां

→ अवसादों का जमाव

इसी को देखते हुए संसद ने राष्ट्रीय जलमार्ग (अधिनियम), 2016 के माध्यम से 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) भारत में औद्योगिक अशांति के कारण एवं इसके समाधान के लिये किये गए प्रयासों की चर्चा करें। 15

Discuss the reasons for industrial unrest in India and efforts made to resolve it. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औद्योगिक मालिकों व श्रमिकों के मध्य विवाद, औद्योगिक उत्पादन में गिरावट इत्यादि के कारण औद्योगिक अशान्ति का जन्म होता है। भारत में स्वतंत्रता के बाद से ही औद्योगिक अशांति देखने को मिली है।

अशान्ति के कारण-

→ औद्योगिक मालिकों के मध्य वेतन, छंटनी, पदोन्नति इत्यादि के कारण विवाद के कारण हड़ताल

→ कच्चे माल के ~~कम~~ अभाव के कारण तथा औद्योगिक मन्दी के कारण श्रमिकों की छंटनी के फलस्वरूप विवाद

→ सरकार द्वारा उद्योगपतियों को संरक्षण देने के कारण श्रमिक कल्याण की उपेक्षा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ भारत में ट्रेड यूनियनों की सशक्त उपस्थिति

→ नवीन प्रौद्योगिकी के आगमन के कारण पुराने कर्मचारियों के बेकार होने पर उन्हें हटाया जाना

→ वैश्विक संरक्षणवाद के कारण औद्योगिक विकास में कमी

समाधान हेतु प्रयास-

→ हड़तालों पर नियंत्रण हेतु कानून

→ श्रमिकों की छंटनी के अनावश्यक स्वरूप को रोककर श्रमिक कल्याणों को बढ़ावा

→ कारखाना अधिनियम, 1948 का क्रियान्वयन

→ वर्तमान में ~~कभी~~ अनेक कानूनों का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एकीकरण कर औद्योगिक संबन्ध संहिता का निर्माण करना

औद्योगिक अशान्ति के कारण भारत के औद्योगिक विकास में अवरोध उत्पन्न होता है जिसका सरकार द्वारा समय-समय पर निवारण का प्रयास किया गया है परन्तु इस दिशा में और अधिक सशक्त व प्रभावी प्रयासों की आवश्यकता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में सड़क परिवहन की समस्याओं पर प्रकाश डालिये। वर्तमान सरकार द्वारा समस्या के समाधान के लिये कौन-से प्रयास किये गए हैं? 20

Highlight the problems of road transport in India. What efforts have been made by the present government to solve this problem? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में लगभग 52.7 लाख कि.मी. सड़कों का एक विस्तृत जाल है जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, जिला सड़कें, ग्रामीण सड़कें तथा सीमावर्ती सड़कों को शामिल किया जाता है.

सड़क परिवहन की समस्याएँ

→ सड़कों पर क्षमता से ज्यादा परिवहन के कारण इनकी क्षति होना

→ इनके निर्माण करते समय आधुनिक तकनीक व सही निर्माण सामग्री के प्रयोग न होने के कारण ये जल्दी ही टूट जाती है

→ सड़क परिवहन का परिवहन के अन्य साधनों जैसे जलमार्ग परिवहन, रेल परिवहन इत्यादि के साथ प्रतिस्पर्धा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सड़कों का अभाव

→ राष्ट्रीय राजमार्गों की कम उपलब्धता

→ ग्रामीण क्षेत्रों में कच्ची सड़कों के कारण बरसात के मौसम में यातायात बाधित होना

→ सड़कों व रेलवे के क्रॉसिंग पर जाम लगना

→ माल परिवहन वाहनों तथा सवारी वाहनों का एक ही सड़क पर चलना

→ सड़क निर्माण क्षेत्र में निजी निवेश की कमी

सरकार के प्रयास-

→ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से सुदूरवर्ती क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जोड़ना

→ प्रतिदिन सड़क निर्माण गति में वृद्धि करना

→ राजमार्गों पर जाम की समस्या के निवारण हेतु अनेक 'एक्सप्रेस वे' का निर्माण जैसे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे

→ रेलवे व सड़क क्रॉसिंग की जगह पुलिया या अंडरपास का निर्माण

→ भारतमाला परियोजना का क्रियान्वयन

→ निजी निवेश में वृद्धि हेतु अनेक निवेश मॉडलों जैसे 'Built-operate-transfer' EPC, हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल का प्रयोग

परन्तु उपर्युक्त प्रयासों के बावजूद सड़क परिवहन अपेक्षित स्तर पर प्रगति नहीं कर पा रहा है जिसके लिए और अधिक प्रभावी कदमों की आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में नियोजन की विफलताओं की पुष्टि समुचित तर्कों की सहायता से कीजिये। 15

Confirm the failures of planning in India with the help of appropriate arguments. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में स्वतंत्रता के बाद देश के आर्थिक विकास व सामाजिक विकास के लिए नियोजन का सहारा लिया गया तथा मिश्रित अर्थव्यवस्था का पालन करते हुए पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से नियोजन का प्रयास किया गया।

नियोजन की उपलब्धियाँ

→ प्रति व्यक्ति आय व GDP में वृद्धि

→ औद्योगिक विकास

→ स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि क्षेत्रों में विकास

परन्तु भारत में नियोजन को पूर्णतया: सफल नहीं माना जाता है जिसके पीछे निम्न कारण हैं-

(i) नियोजन में केन्द्रीयकरण प्रवृत्ति के कारण राज्य की भागीदारी के अभाव के फलस्वरूप ठोस योजनाओं के निर्माण का अभाव

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(ii) स्थानीय समुदायों की निम्न भागीदारी के फलस्वरूप स्थानीय संसाधनों का अनुकूलतम इस्तेमाल नहीं जैसे पंचायतीराज संस्थाओं को अभी भी नियोजन हेतु योजनाएँ बनाने की पर्याप्त शक्ति नहीं है

(iii) भारत में वर्तमान में 21.9% जनसंख्या (तेंदुलकर समिति) गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है

(iii) भारत में विश्व के सर्वाधिक कुपोषित बच्चे विद्यमान है

(iv) भारत में मातृ मृत्यु दर का 167 प्रति एक लाख जीवित जन्म तथा शिशु मृत्यु दर का 39 प्रति एक हजार होना भी एक कलंक है

(v) भारत का वैश्विक भुखमरी सूचकांक में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

119 देशों में से 100 वाँ स्थान जो यहाँ के खाद्यान्न सुरक्षा की निम्न स्थिति की संज्ञा देता है

(vi) किसानों की बढ़ती आत्महत्या कृषि की दयनीय दशा बताती है

(vii) पर्यावरण का निम्न स्तर

(viii) बेरोजगारी में वृद्धि (रोजगार विहीन संवृद्धि)

इस प्रकार उपर्युक्त बिन्दुओं से स्पष्ट है कि भारत में नियोजन अपेक्षित स्तर तक सफल नहीं हो पाया है। इसीलिए सरकार ने योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना पर इसके समाधान का प्रयास किया जा रहा है ताकि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सके।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

मॉड्यूल - VIII

(द्वितीय प्रश्न-पत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation